चुनौतियों का सामना करने के लिए मन को शक्तिशाली बनायें

मदुराई। संस्था के गौरवशाली 75 वर्ष पूर्ण होने पर 'प्लेटिनम जुबली' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए डॉ.निर्मला ने कहा कि जब तक व्यक्ति को सत्य की पहचान नहीं होगी, तब तक वो ये नहीं समझ पायेगा कि परमात्मा से हमारा क्या सम्बन्ध है और हमें उनसे क्या-क्या प्राप्ति होती है। साथ-साथ उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान समय महापरिवर्तन का समय चल रहा है। जब मनुष्यात्मायें दु:खी व अशांत होकर परमात्मा को पुकार रही है और उन्हें इस बंधन से छुड़ाने की प्रार्थना कर रही है। उन्होंने ये भी कहा कि आने वाला समय बहुत ही चुनौति व कठिनाईयों से भरा आने वाला है। इसलिए हमें अपने मन को बहुत ही सशक्त बनाना होगा। ऐसे समय में हम 'ज्योतिर्बिन्दु शिव परमात्मा' से अपना बुद्धि योग जोड़कर उनसे कल्प-कल्प का सुख-शांति का वर्सा ले सकते हैं। परमात्मा ब्रह्मा के तन में अवतरित होकर सहज राजयोग की शिक्षा देकर मनुष्यात्माओं को पावन बनाकर देवी-देवता के तुल्य बना रहे हैं। परमात्मा का यह संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ही यह 'प्लेटिनम जुबली' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। ताकि कोई भी व्यक्ति परमात्मा के इस संदेश से वंचित न रह जायें।

युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.चंद्रिका ने 'वन गॉड वन फैमिली' की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि हम सभी एक पिता के बच्चे हैं और आत्मिक रूप से भाई-भाई है। जब इस विचारधारा को हम अपने कार्य-व्यवहार में ले आते हैं तब 'वसुद्यैव कुटुम्बकम' की परिकल्पना साकार हो जाती है। अर्थात् सारा विश्व ही हमारा परिवार है और हम उस परिवार के ही सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि हम जाति भेद-भाव की भावना से ऊपर उठकर हरेक को आत्मा समझ अपना सम्बन्ध स्थापित करेंगे तब समाज में आपसी स्नेह-भाव तथा समरसता की भावना का संचार होगा जिससे मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना हो सकेगी।

मीडिया प्रभाग क उपाध्यक्ष ब्र.कु.करूणा ने अपने अनुभव सुनाते हुए कहा कि जब मैं पहली बार 1960 में माउण्ट आबू आया था तो पहले-पहले पिताश्री जी से मिला तो मुझे ऐसा लगा कि दुनिया में कोई ऐसा भी व्यक्ति है जो हीरों के व्यापार को छोड़कर कैसे इस सृष्टि के कल्याण हेतु तपस्या कर रहे थे। मैंने उनके मुख से स्वयं सुना कि उनका जीवन कैसे परिवर्तन हुआ। जिस 'ज्योति' को दुनिया ढूंढ रही है उ से मैंने स्वयं अपनी आँखों से ब्रह्मा के तन में अवतरित होते हुए देखा। तब से हमारा और उनका सम्बन्ध पिता-पुत्र का बन गया। उन्होंने कहा कि परमपिता परमात्मा हम सभी के पिता हैं। हम सभी भी ईश्वर का साक्षात्कार कर सकते हैं। हमारा जो यह 75 वर्षों का प्रयास है वह अवश्य ही सफल होगा। यज्ञ के स्थापना काल में कुछ ही हजार लोग थे लेकिन आज 10 लाख से भी ज्यादा लोग उसी संदेश को दे रहे हैं शिव परमात्मा स्वयं धरती पर आ चुके हैं। हमारी एक ही आशा है कि सभी लोग यही संदेश दे कि शिव परमात्मा धरती पर आ चुके हैं आप उनसे जो कामना करेंगे वो आपको मिलेगा और विश्व परिवर्तन में सहभागी बनकर बनकर अपना श्रेष्ठ भाग्य बना सकते हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एस.तमिल वरण, मिनिस्टर ऑफ कॉपरेशन राजू, रामको ग्रुप के चेयरमैन पी.आर.रामा सुब्रहमण्य रहजा ने भी अपनी शुभकामनायें व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता की कामना की। इस कार्यक्रम में शहर के गणमान्य व्यक्तियों के अलावे मदुराई के मेयर वी.वी.राजन, युनियन बैंक के चेयरमैन टी.आर.बालासुब्रमण्यम, स्थानीय जोन इंचार्ज ब्र.कु.मिनक्षी तथा तमिलनाडु जोन की संयोजिका ब्र.कु.वीणा भी उपस्थित थी। इस अवसर पर 'वन गॉड वन फैमिली' गीत की धुन पर बहुत ही सुंदर मनमोहक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। जिसे देखकर सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गये और उनके दिल से बस यही आवाज निकल रही थी कि हमारा बाबा आ गया। और उन्हें यह भी अनुभव हो रहा था कि हम एक ही परिवार के सदस्य हैं।

सदस्यता शुल्क

भारत – वार्षिक 150 रूपये,
तीन वर्ष 450 रूपये
आजीवन 3500 रूपये
विदेश – 1800 *रूपये (वार्षिक)*

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज्, शांतिवन, तलहटी
आबू रोड (राज.) 307510, फोन - 02974 235036, Enquiry for Membership-9414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHIN/2000/721 LINCENCE TO POST WITHOUT PRE PAYMENT UNDER TECH/W R /47-9/2009-2011 Postal Regd.No.RJ/SRO/9623/2009-2011, Posted at SHANTIVAN P.O. DT. 22nd,24th&10th,12th

संपादक:ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, सत्वाधिकार-प्रकाशक:ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।